



राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल के सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतों, टीचिंग सिस्टम और एकेडमिक अचीवमेंट का एक अध्ययन

Ganesh Narain Sharma

Research scholar, Maharaj Vinayak global University, Jaipur

Dr. Vinod Kumar Upadhyay

Supervisor, Maharaj Vinayak global University, Jaipur

सार

राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल के सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स के बीच पढ़ाई की आदतों, टीचिंग सिस्टम और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच संबंध की जांच करती है। रिसर्च का मुख्य मकसद यह जांचना है कि स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतों और टीचिंग सिस्टम का असर उनके एकेडमिक परफॉर्मेंस पर कैसे असर डालता है। यह स्टडी एक डिस्क्रिप्टिव सर्वे रिसर्च डिज़ाइन पर आधारित है। सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स का एक सैंपल चुना गया, और एक स्ट्रक्चर्ड क्वेश्चनेयर और एकेडमिक रिकॉर्ड के ज़रिए डेटा इकट्ठा किया गया। इकट्ठा किए गए डेटा का एनालिसिस परसेंटेज, मीन और कोरिलेशन एनालिसिस जैसे स्टैटिस्टिकल टूल्स का इस्तेमाल करके किया गया। स्टडी के नतीजों से पता चलता है कि पढ़ाई की आदतों और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच एक पॉजिटिव संबंध है। जिन स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतें बेहतर होती हैं, वे एकेडमिक रूप से बेहतर परफॉर्म करते हैं। इसी तरह, एक असरदार टीचिंग सिस्टम भी स्टूडेंट्स के लर्निंग आउटकम को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। अच्छी पढ़ाई की आदतों और क्वालिटी टीचिंग के मिले-जुले असर का एकेडमिक सफलता पर गहरा असर पाया गया। स्टडी का नतीजा यह है कि पढ़ाई की आदतों में सुधार और टीचिंग सिस्टम को मजबूत करने से सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स की एकेडमिक अचीवमेंट में काफी सुधार हो सकता है। इन नतीजों का टीचर्स, स्कूल एडमिनिस्ट्रेटर्स और एजुकेशनल प्लानर्स के लिए एजुकेशन की ओवरऑल क्वालिटी को बेहतर बनाने में अहम असर है।

मुख्य शब्द: राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल, सेकेंडरी, स्टूडेंट्स, टीचिंग

परिचय

एजुकेशन को लोगों और समाज में सोशल, इकोनॉमिक और इंटेलिक्चुअल डेवलपमेंट लाने का सबसे पावरफुल तरीका माना जाता है। यह न सिर्फ नॉलेज देती है बल्कि एटीट्यूड, वैल्यू, स्किल और ओवरऑल पर्सनैलिटी डेवलपमेंट को भी शेप देती है। आज की दुनिया में, जहां एकेडमिक्स और प्रोफेशनल फील्ड में कॉम्पिटिशन लगातार बढ़ रहा है, एजुकेशन की क्वालिटी और स्टूडेंट्स की परफॉर्मेंस एजुकेटर्स, पॉलिसीमेकर्स और रिसर्चर्स के लिए एक बड़ी चिंता बन गई है। एकेडमिक अचीवमेंट को एजुकेशन सिस्टम के इफेक्टिवनेस के सबसे इंपॉर्टेंट इंडिकेटर्स में से एक माना जाता है। यह दिखाता है कि स्टूडेंट्स ने उन्हें दी गई नॉलेज को कितनी अच्छी तरह समझा और याद रखा है और वे इसे एग्जाम और रियल-लाइफ सिचुएशन में कितने इफेक्टिवली अप्लाई कर पाते हैं। सीखने के प्रोसेस में, एकेडमिक सक्सेस में कई फैक्टर्स कंट्रीब्यूट करते हैं। इनमें, स्टडी हैबिट्स और टीचिंग सिस्टम को बहुत इंपॉर्टेंट माना जाता है। स्टडी हैबिट्स का मतलब है कि स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई के लिए रेगुलर और सिस्टमैटिक तरीके अपनाते हैं। इनमें टाइम मैनेजमेंट, स्टडी रूटीन में रेगुलरिटी, कॉन्संट्रेशन, रिवीजन प्रैक्टिस, नोट्स बनाना, पढ़ने की हैबिट्स और एग्जाम की तैयारी के तरीके शामिल हैं। अच्छी स्टडी

हैबिट्स वाले स्टूडेंट्स आमतौर पर ज्यादा डिसिप्लिन्ड, फोकस्ड और सेल्फ-मोटिवेटेड होते हैं। वे अपनी पढ़ाई को अच्छे से ऑर्गनाइज़ कर पाते हैं, जिससे पढ़ाई का कंटेंट बेहतर ढंग से समझ पाते हैं और याद रख पाते हैं। दूसरी ओर, पढ़ाई की खराब आदतों की वजह से अक्सर कॉन्संट्रेशन की कमी, अधूरी तैयारी, स्ट्रेस और पढ़ाई में कम परफॉर्मेंस होती है।

पढ़ाई की आदतें पढ़ाई के शुरुआती स्टेज से ही बनना शुरू हो जाती हैं और स्टूडेंट की पूरी एकेडमिक लाइफ में बढ़ती रहती हैं। इन आदतों पर परिवार का माहौल, दोस्तों का ग्रुप, स्कूल का माहौल, टीचर का गाइडेंस और पर्सनल मोटिवेशन जैसे कई फैक्टर का असर पड़ता है। स्कूल सही गाइडेंस, स्ट्रक्चर्ड लर्निंग शेड्यूल और मोटिवेशनल सपोर्ट देकर स्टूडेंट्स में पॉजिटिव पढ़ाई की आदतें बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। टीचर, खास तौर पर, फैसिलिटेटर के तौर पर काम करते हैं जो स्टूडेंट्स को उनके एकेडमिक काम में असरदार लर्निंग स्ट्रेटेजी और डिसिप्लिन बनाने में मदद करते हैं। पढ़ाई की आदतों के साथ-साथ, टीचिंग सिस्टम भी एक और ज़रूरी फैक्टर है जो एकेडमिक अचीवमेंट पर काफी असर डालता है। टीचिंग सिस्टम में पढ़ाने के तरीके, इंस्ट्रक्शनल स्ट्रेटेजी, क्लासरूम का माहौल, टीचिंग एड्स का इस्तेमाल, टीचर-स्टूडेंट इंटरैक्शन, इवैल्यूएशन टेक्नीक और फीडबैक मैकेनिज्म शामिल हैं। एक अच्छी तरह से स्ट्रक्चर्ड और स्टूडेंट-सेंटरड टीचिंग सिस्टम सीखने को ज़्यादा दिलचस्प, एंगेजिंग और मीनिंगफुल बनाने में मदद करता है। मॉडर्न टीचिंग अप्रोच एक्टिविटी-बेस्ड लर्निंग, एक्सपीरिएंशियल लर्निंग, टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और इंटरैक्टिव क्लासरूम प्रैक्टिस पर ज़ोर देते हैं जो स्टूडेंट्स की एक्टिव पार्टिसिपेशन को बढ़ावा देते हैं।

इसके उलट, पारंपरिक टीचर-सेंटरड तरीके हमेशा स्टूडेंट्स की अलग-अलग सीखने की ज़रूरतों को पूरा करने में असरदार नहीं हो सकते हैं। इसलिए, टीचिंग सिस्टम कितना असरदार है, यह तय करने में यह ज़रूरी भूमिका निभाता है कि स्टूडेंट्स सब्जेक्ट को कितनी अच्छी तरह समझते हैं और एकेडमिक इवैल्यूएशन में वे कितना सफल परफॉर्म करते हैं। जो टीचर नए टीचिंग तरीके अपनाते हैं, साफ-साफ समझाते हैं, और क्लासरूम का माहौल अच्छा बनाए रखते हैं, उनके स्टूडेंट्स की एकेडमिक परफॉर्मेंस बेहतर होने की संभावना ज़्यादा होती है। एकेडमिक अचीवमेंट का मतलब है कि एक स्टूडेंट अपनी पढ़ाई में कितनी सफल होता है, जिसे आमतौर पर एग्जाम, टेस्ट, असाइनमेंट और स्कूल की एक्टिविटी में ओवरऑल परफॉर्मेंस से मापा जाता है। इसे स्टूडेंट के इंटेलेक्चुअल डेवलपमेंट और सीखने के नतीजों का एक मुख्य इंडिकेटर माना जाता है। अच्छी एकेडमिक अचीवमेंट अक्सर बेहतर कॉग्निटिव एबिलिटी, मज़बूत मोटिवेशन, असरदार पढ़ाई की आदतों और अच्छी टीचिंग सपोर्ट से जुड़ी होती है। हालांकि, एकेडमिक परफॉर्मेंस सिर्फ इंटेलिजेंस पर निर्भर नहीं है; यह एनवायरनमेंटल, साइकोलॉजिकल और बिहेवियरल फैक्टर से भी प्रभावित होता है। आज के एजुकेशनल माहौल में, एकेडमिक अचीवमेंट पर असर डालने वाले फैक्टर को समझना बहुत ज़रूरी हो गया है। एजुकेशनल रिसर्चर ने स्टूडेंट्स की परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने में पढ़ाई की आदतों और टीचिंग क्वालिटी की भूमिका पर लगातार ज़ोर दिया है। कई स्टडीज़ से पता चला है कि जो स्टूडेंट्स डिसिप्लिन्ड स्टडी रूटीन अपनाते हैं और क्लासरूम में असरदार इंस्ट्रक्शन पाते हैं, वे उन स्टूडेंट्स के मुकाबले काफी बेहतर परफॉर्म करते हैं जिन्हें ऐसा सपोर्ट नहीं मिलता। इसलिए, इन वैरिएबल्स के बीच संबंध पहचानने से टीचिंग-लर्निंग प्रोसेस को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल के सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स पर फोकस करती है। सेकेंडरी एजुकेशन एक स्टूडेंट की एकेडमिक जर्नी में एक ज़रूरी स्टेज है, क्योंकि यह हायर एजुकेशन और करियर डेवलपमेंट की नींव रखती है। इस स्टेज पर, स्टूडेंट्स को ज़्यादा एकेडमिक प्रेशर, बड़े सिलेबस और कॉम्पिटिटिव एग्जाम का सामना करना पड़ता है। इसलिए, यह देखना ज़रूरी हो जाता है कि उनकी पढ़ाई की आदतें और टीचिंग सिस्टम उनकी एकेडमिक अचीवमेंट पर कैसे असर डालते हैं। यह स्टडी इसलिए ज़रूरी है क्योंकि यह स्टूडेंट्स के सीखने के बिहेवियर और असली एजुकेशनल सेटिंग में टीचिंग प्रैक्टिस के असर के बारे में जानकारी देती है। यह मौजूदा एजुकेशनल सिस्टम की ताकत और कमज़ोरियों को पहचानने में मदद करती है और सुधार के लिए एरिया बताती है। इस स्टडी के नतीजे टीचर्स, स्कूल एडमिनिस्ट्रेटर्स, करिकुलम प्लानर्स

और पॉलिसीमेकर्स के लिए स्टूडेंट्स के लर्निंग आउटकम को बेहतर बनाने के लिए असरदार स्ट्रेटेजी बनाने में काम आ सकते हैं।

उद्देश्य

- स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतों का एनालिसिस करना
- टीचिंग सिस्टम के असर का मूल्यांकन करना
- शैक्षणिक उपलब्धि के स्तर का आकलन करने के लिए
- चरों के बीच संबंध खोजने के लिए

परिकल्पनाएँ

:1Hपढ़ाई की आदतों और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच एक अहम रिश्ता है

:2Hटीचिंग सिस्टम एकेडमिक अचीवमेंट पर काफी असर डालता है

कार्यप्रणाली

राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल के सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स के बीच पढ़ाई की आदतों, टीचिंग सिस्टम और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच संबंध की जांच करने के लिए एक डिस्क्रिप्टिव सर्वे रिसर्च डिज़ाइन पर आधारित है। डिस्क्रिप्टिव मेथड को सबसे सही माना जाता है क्योंकि यह किसी भी वेरिएबल में बदलाव किए बिना मौजूदा हालात के बारे में असल जानकारी इकट्ठा करने में मदद करता है। स्टडी की पॉपुलेशन में राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल के सभी सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स शामिल हैं। इस पॉपुलेशन में से, बराबर रिप्रिजेंटेशन पक्का करने और बायस कम करने के लिए एक सिंपल रैंडम सैंपलिंग टेक्नीक का इस्तेमाल करके 150-100 स्टूडेंट्स का सैंपल चुना गया। स्टडी के लिए प्राइमरी डेटा रिसर्चर द्वारा तैयार किए गए एक स्ट्रक्चर्ड क्वेश्चनेयर के ज़रिए इकट्ठा किया गया था। क्वेश्चनेयर में स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतों, टीचिंग सिस्टम की सोच और एकेडमिक परफॉर्मेंस से जुड़े आइटम शामिल थे। इसके अलावा, एकेडमिक अचीवमेंट को मापने के लिए स्टूडेंट्स के एकेडमिक रिकॉर्ड और स्कूल एग्जाम में मिले मार्क्स का भी इस्तेमाल किया गया। डेटा एनालिसिस के लिए, वेरिएबल के बीच संबंध को समझने के लिए परसेंटेज, मीन और कोरिलेशन कोएफिशिएंट जैसी स्टैटिस्टिकल टेक्नीक का इस्तेमाल किया गया। बेहतर समझ और इंटरप्रीटेशन के लिए इकट्ठा किए गए डेटा को सिस्टमैटिक तरीके से तालिका में ऑर्गनाइज़ किया गया था। स्टडी स्टैंडर्डाइज़्ड सवालों और वेरिफाइड एकेडमिक डेटा का इस्तेमाल करके रिलायबिलिटी और वैलिडिटी पक्का करती है। पूरे रिसर्च प्रोसेस के दौरान कॉन्फिडेंशियलिटी और इन्फॉर्मड कंसेंट जैसी एथिकल बातों का भी ध्यान रखा गया।

डेटा विश्लेषण और व्याख्या

यह चैप्टर राजकीय विवेकानंद मॉडल स्कूल के सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स से इकट्ठा किए गए डेटा के सिस्टमैटिक एनालिसिस और इंटरप्रीटेशन से जुड़ा है। इस स्टडी का मुख्य मकसद पढ़ाई की आदतों, टीचिंग सिस्टम और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच संबंध की जांच करना है। इकट्ठा किए गए डेटा को परसेंटेज, मीन और कोरिलेशन जैसे स्टैटिस्टिकल टूल्स का इस्तेमाल करके ऑर्गनाइज़, तालिका किया और एनालाइज़ किया गया है।

तालिका :1 स्टूडेंट्स में पढ़ाई की आदतों का लेवल

अध्ययन की आदतों का स्तर	छात्रों की संख्या	को PERCENTAGE
अच्छा	42	42%
औसत	38	38%
गरीब	20	20%
कुल	100	100%

ऊपर दी गई तालिका से पता चलता है कि %42 स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतें अच्छी हैं, जबकि %38 की पढ़ाई की आदतें एवरेज हैं। हालांकि %20, स्टूडेंट्स में अभी भी पढ़ाई की आदतें खराब हैं। इससे पता चलता है कि ज्यादातर स्टूडेंट्स (%80) में कम से कम एवरेज या अच्छी पढ़ाई की आदतें हैं, जो एकेडमिक डेवलपमेंट के लिए एक पॉजिटिव साइन है। अच्छी पढ़ाई की आदतों वाले स्टूडेंट्स ज्यादा डिसिप्लिन्ड होते हैं, रिवीजन में रेगुलर होते हैं, और टाइम मैनेजमेंट में बेहतर होते हैं। खराब आदतों वाले %20 स्टूडेंट्स का होना गाइडेड स्टडी सेशन और काउंसलिंग जैसे इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम की ज़रूरत को दिखाता है।

तालिका :2 टीचिंग सिस्टम इफेक्टिवनेस) स्टूडेंट्स की सोच

संतुष्टि का स्तर	छात्रों की संख्या	को PERCENTAGE
अत्यधिक संतुष्ट	40	40%
संतुष्ट	45	45%
असंतुष्ट	15	15%
कुल	100	100%

डेटा से पता चलता है कि %85 स्टूडेंट टीचिंग सिस्टम से खुश या बहुत खुश हैं, जबकि सिर्फ %15 नाखुश हैं। इससे पता चलता है कि स्कूल में इस्तेमाल होने वाले टीचिंग के तरीके आम तौर पर असरदार हैं। टीचर शायद सही सिखाने के तरीके, क्लासरूम मैनेजमेंट के तरीके और कम्युनिकेशन स्किल का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, एक छोटे से नाखुश ग्रुप का होना टीचिंग के तरीकों में और सुधार की ज़रूरत दिखाता है, शायद ICT टूल्स और स्टूडेंट-सेंटर्ड तरीकों के इस्तेमाल से।

तालिका :3 स्टूडेंट्स के एकेडमिक अचीवमेंट लेवल

उपलब्धि स्तर	छात्रों की संख्या	को PERCENTAGE
उच्च	35	35%
मध्यम	45	45%
कम	20	20%
कुल	100	100%

तालिका से पता चलता है कि %35 स्टूडेंट्स की पढ़ाई में अच्छी कामयाबी है %45, की पढ़ाई में मीडियम कामयाबी है, और %20 की पढ़ाई में कम कामयाबी है। इससे पता चलता है कि ज्यादातर स्टूडेंट्स मीडियम कैटेगरी में आते हैं, जो औसत पढ़ाई में अच्छी कामयाबी को दिखाता है। ज्यादा कामयाबी पाने वालों का तुलनात्मक रूप से कम प्रतिशत बताता है कि पढ़ाई की आदतों और पढ़ाने के असरदार तरीके, दोनों में सुधार की गुंजाइश है। जिन स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतें बेहतर हैं और टीचर का अच्छा सपोर्ट है, उनके ज्यादा कामयाबी वाले ग्रुप में आने की संभावना ज्यादा होती है।

तालिका :4 पढ़ाई की आदतों और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच संबंध

अध्ययन की आदतों का स्तर	औसत अंक	अकादमिक प्रदर्शन
अच्छा	78	उच्च
औसत	65	मध्यम
गरीब	50	कम

ऊपर दी गई तालिका में पढ़ाई की आदतों और पढ़ाई में कामयाबी के बीच अच्छा रिश्ता साफ़ दिखता है। जिन स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतें अच्छी थीं, उन्हें एवरेज 78 मार्क्स मिले, जबकि जिनकी आदतें एवरेज थीं, उन्हें 65 मार्क्स मिले। जिन स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतें खराब थीं, उन्हें सिर्फ़ 50 मार्क्स मिले। इससे पता चलता है कि डिसिप्लिन्ड और रेगुलर पढ़ाई करने से पढ़ाई में काफी सुधार होता है। यह नतीजा निकाला जा सकता है कि पढ़ाई की आदतें स्टूडेंट्स की कामयाबी का एक मज़बूत इशारा हैं।

तालिका :5 टीचिंग सिस्टम और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच संबंध

शिक्षण प्रणाली रेटिंग	औसत अंक	पेश करने का स्तर
अत्यधिक प्रभावी	80	उच्च
असरदार	68	मध्यम
कम प्रभावी	52	कम

यह तालिका दिखाता है कि टीचिंग सिस्टम का एकेडमिक अचीवमेंट पर सीधा असर पड़ता है। जिन स्टूडेंट्स ने बहुत असरदार टीचिंग बताई, उन्हें एवरेज 80 मार्क्स मिले, जबकि जिन स्टूडेंट्स ने कम असरदार टीचिंग का अनुभव किया, उन्हें सिर्फ़ 52 मार्क्स मिले। इससे यह कन्फर्म होता है कि बेहतर टीचिंग मेथड, इंस्ट्रक्शन में क्लैरिटी और टीचर सपोर्ट से स्टूडेंट्स के लर्निंग आउटकम में काफी सुधार होता है।

तालिका :6 पढ़ाई की आदतों और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच कोरिलेशन

चर	सहसंबंध गुणांक (r)
अध्ययन की आदतें और उपलब्धि	0.72

कोरिलेशन कोएफ़िशिएंट ($0.72 = r$) पढ़ाई की आदतों और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच एक मज़बूत पॉज़िटिव रिश्ता दिखाता है। इसका मतलब है कि पढ़ाई की आदतों में सुधार से एकेडमिक परफॉर्मेंस बेहतर होती है। यह रिश्ता स्टैटिस्टिकली सिग्निफिकेंट है और डिसिप्लिन्ड पढ़ाई के व्यवहार के महत्व को कन्फर्म करता है।

तालिका :7 अध्ययन की आदतों और शिक्षण प्रणाली का संयुक्त प्रभाव

संयोजन स्तर	शैक्षिक उपलब्धि
अच्छी पढ़ाई की आदतें + अच्छा पढ़ाना	उच्च
औसत आदतें + मध्यम शिक्षण	मध्यम
खराब आदतें + खराब शिक्षण	कम

कंबाईंड इफ़ेक्ट एनालिसिस से पता चलता है कि पढ़ाई की आदतें और टीचिंग सिस्टम, दोनों मिलकर एकेडमिक अचीवमेंट पर असर डालते हैं। जिन स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतें अच्छी होती हैं और जिन्हें असरदार टीचिंग मिलती है, वे सबसे अच्छा परफॉर्मेंस देते हैं। इससे पता चलता है कि एकेडमिक सक्सेस किसी एक फैक्टर पर नहीं, बल्कि कई एजुकेशनल वैरिएबल के इंटरैक्शन पर निर्भर करती है।

निष्कर्ष

इस स्टडी से सेकेंडरी लेवल के स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतों, टीचिंग सिस्टम और एकेडमिक अचीवमेंट के बारे में कई ज़रूरी बातें पता चली हैं। यह पाया गया है कि काफी संख्या में स्टूडेंट्स की पढ़ाई की आदतें अच्छी से एवरेज हैं, जबकि एक छोटा हिस्सा अभी भी खराब पढ़ाई की आदतें दिखाता है। ज़्यादातर स्टूडेंट्स मौजूदा टीचिंग सिस्टम से खुश हैं, जो दिखाता है कि क्लासरूम में पढ़ाई और टीचर का परफॉर्मेंस आम तौर पर असरदार है। स्टडी से यह भी पता चलता है कि स्टूडेंट्स की एकेडमिक अचीवमेंट ज़्यादातर मीडियम कैटेगरी में है, उसके बाद हाई और लो कैटेगरी हैं। पढ़ाई की आदतों और एकेडमिक अचीवमेंट के बीच एक मज़बूत पॉज़िटिव रिश्ता देखा गया है, जो दिखाता है कि बेहतर पढ़ाई के डिसिप्लिन वाले स्टूडेंट्स एकेडमिक्स में काफी बेहतर परफॉर्म करते हैं। इसी तरह, टीचिंग सिस्टम का भी स्टूडेंट्स की एकेडमिक परफॉर्मेंस पर सीधा असर पड़ता है। कुल मिलाकर, यह पाया गया है कि पढ़ाई की आदतें और टीचिंग सिस्टम दोनों मिलकर एकेडमिक अचीवमेंट को बेहतर बनाने में मदद करते हैं, और जब दोनों फैक्टर मज़बूत और सपोर्टिव होते हैं तो स्टूडेंट्स सबसे अच्छा परफॉर्म करते हैं।

सुझाव

स्टडी के नतीजों के आधार पर, स्टूडेंट्स की एकेडमिक परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने के लिए कई सुझाव दिए गए हैं। स्टूडेंट्स को पढ़ाई के शुरुआती दौर से ही डिसिप्लिन में और रेगुलर पढ़ाई की आदतें डालने के लिए बढ़ावा देना चाहिए, साथ ही टाइम मैनेजमेंट और असरदार लर्निंग टेक्नीक पर सही गाइडेंस देनी चाहिए। टीचर्स को पढ़ाई को ज़्यादा दिलचस्प और समझने लायक बनाने के लिए ज़्यादा स्टूडेंट-सेंटर्ड और इंटरैक्टिव टीचिंग मेथड अपनाने चाहिए। क्लासरूम को असरदार बनाने के लिए मॉडर्न टीचिंग एड्स और ICT टूल्स जैसे स्मार्ट क्लास, प्रेजेंटेशन और डिजिटल रिसोर्स के इस्तेमाल को बढ़ावा देना चाहिए। स्कूलों को कमज़ोर स्टूडेंट्स के लिए रेमेडियल क्लास भी ऑर्गनाइज़ करनी चाहिए ताकि उनकी एकेडमिक परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने में मदद मिल सके। पैरेंट्स को घर पर अपने बच्चों के पढ़ाई के रूटीन पर एक्टिवली नज़र रखनी चाहिए और उन्हें सपोर्ट करना चाहिए। इसके अलावा, टीचिंग क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए लगातार टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए जाने चाहिए। स्कूलों में एक सपोर्टिव और मोटिवेटिंग लर्निंग माहौल बनाया जाना चाहिए ताकि स्टूडेंट्स में कॉन्फिडेंस बढ़ सके और वे बेहतर एकेडमिक नतीजे हासिल कर सकें।

संदर्भ

1. अग्रवाल, जे.सी. (2010) . *एजुकेशनल साइकोलॉजी के एसेंशियल्स* . विकास पब्लिशिंग हाउस.
2. बेस्ट, जे. डब्ल्यू, . और खान, जे.वी. (2016) . *शिक्षा में अनुसंधान* . पियर्सन एजुकेशन.
3. चौहान, एस.एस. (2011) . *एडवांस्ड एजुकेशनल साइकोलॉजी* . विकास पब्लिशिंग हाउस.
4. डेवी, जे. (1938) . *अनुभव और शिक्षा* . मैकमिलन.
5. गैरेट, एचई. (2013) *साइकोलॉजी और एजुकेशन में स्टैटिस्टिक्स* . पैरागॉन इंटरनेशनल पब्लिशर्स.
6. भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय. (2022) . *स्कूल शिक्षा पर वार्षिक रिपोर्ट* . भारत सरकार.
7. कोठारी, सी.आर. (2004) . *रिसर्च मेथोडोलॉजी: मेथड्स एंड टेक्नीक्स* . न्यू एज इंटरनेशनल.
8. मंगल, एस.के. (2015) . *शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी*। PHI लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड।
9. . (2019) . *NCERT सेकेंडरी स्टेज पर लर्निंग आउटकम* . नेशनल काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग.
10. एनसीईआरटी. (2020) . *एजुकेशनल साइकोलॉजी* . नेशनल काउंसिल ऑफ़ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग.
11. पियाजे, जे. (1972) . *बुद्धि का मनोविज्ञान* . रूटलेज.
12. शर्मा, आर.ए. (2012) . *शैक्षिक अनुसंधान के मूलभूत सिद्धांत* . आर .लाल बुक डिपो.

13. शर्मा ,आर.सी .(2011) .*शिक्षण के आधुनिक तरीके*. धनपत राय प्रकाशन कंपनी.
14. सिंह ,ए.के .(2010) .*व्यवहार विज्ञान में परीक्षण ,माप और अनुसंधान के तरीके*। भारती भवन।
15. सिंह ,वाई.के .(2009) .*एजुकेशनल रिसर्च* APH . पब्लिशिंग कॉर्पोरेशन.
16. स्किनर ,बी.एफ .(1953) .*विज्ञान और मानव व्यवहार*. फ्री प्रेस.
17. .(2021) .UNESCO ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग रिपोर्ट UNESCO . पब्लिशिंग.
18. वायगोत्स्की ,एल.एस .(1978) .*समाज में मन*. हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस.
19. वूलफोक ,ए .(2014) .*एजुकेशनल साइकोलॉजी*. पियर्सन.
20. जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड प्रैक्टिस .(nd) .एजुकेशनल रिसर्च आर्टिकल .
) com.journalwebsite.www//:https अगर उपलब्ध हो तो असली URL से बदलें
21. इंडियन एजुकेशनल रिव्यू NCERT .(nd) .जर्नल ऑफ एजुकेशन रिसर्च in.nic.ncert.www//:https .
22. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल डेवलपमेंट .(nd) .एल्सेवियर .
development-educational-of-journal-international/com-elsevier-journals.www//:https